Sampreshan
UGC CARE GROUP 1 ISSN: 2347-2979
https://sampreshan.info/
Vol. 17, Issue No. 3, September 2024

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक समीक्षात्मक अध्ययन

डॉ. मेघा डडसेना [1]
सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
पं हरिशंकर शुक्ल स्मृति
महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

श्री बलजीत कौर भावरा [2]
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा)
पं हरिशंकर शुक्ल स्मृति
महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

सारांश –

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) 2020 को 30 जुलाई 2020 को जारी किया गया था । मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने जून 2017 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक कमिटी (चेयरमैन डॉ के. कस्तूरीरंगन) का गठन किया था। कमिटी ने मई 2019 से सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए ड्राफ्ट एनइपी सौपा। एनइपी 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्थान लेगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य भारत में शिक्षा को ग्योबल लेबल पर लाना है। जिसमे भारत महा शक्ति बन सके। New Education Policy के तहत स्कूल से लेकर कॉलेज तक की शिक्षा नीति में बदलाव किया गया है। इसके तहत गांव के साथ ही वे उनकी हेल्थ और स्किल डेवलपमेंट शामिल है।

प्रमुख शब्द – नई शिक्षा, नवाचार, मॉडर्न– टेक्नालॉजी, संज्ञानात्मक, कौशल ।

प्रस्तावना –

आधुनिक भारत में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विशिष्ट स्थान है। इनसे रचनात्मक और नवाचार का भी महत्व मिलेगा। समय के साथ शिक्षा नीति में परिवर्तन आवश्यक है ताकि देश की उन्नति सही तरीके से और तेजी से हो कर सके। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति को 34 वर्षों के बाद लाया गया है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य बालको को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं है बल्कि उन्हें व्यवहारिक ज्ञान भी दे कर उनकी मानसिक– बौध्दिक क्षमता को और भी ज्यादा प्रबल बनाना है शिक्षा किसी भी देश को और समाज के विकास की महत्वपूर्ण आधार होता है। शिक्षा के बलबूते है ही किसी भी देश का विकास तेजी से किया जा सकता है। हालांकि समय के साथ–साथ हर चीजों में बदलाव आता है। और उसके अनुसार शिक्षा में भी बदलाव किया जाना चाहिए क्योंकि अब के समय में टेक्नोलोजी का विकास होते जा रहा है। लोग मॉडर्न टेक्नालॉजी की ओर कदम बढ़ा रहे है। इस एि बालको केवल किताबी ज्ञान देना ही पर्याप्त नहीं है।

अध्ययन के उद्देश्य –

1. नई शिक्षा नीति 2020 के बारे में जानना।
2. इस नीति के लक्ष्यों एवं सिध्दातों के बारे में जानना।
3. नई शिक्षा नीति 2020 पुरानी शिक्षा नीति से किस प्रकार भिन्न है इसको जानना।
4. नई शिक्षा नीति में अभिभावकों एवं शिक्षकों हेतु क्या नवायार है. इसको जानना।

शोध पध्दति –

यह शोध अध्ययन द्वितीयक आँकड़ो पर आधारित है। ऑकड़ों का संकलन समाचार पत्रो, पत्र–पत्रिकाओ, शोथ पत्रो, विभिन्न रिपोर्ट, पुस्तको एवं तथ्यों से किया गया है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक अध्ययन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एलईपी) शिक्षा में व्यापक परिवर्तन की कल्पना करती है। ''भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली जो सभी को उच्च गुणवाना वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को एक समतापूर्ण जीवंत ज्ञान समान में बदलने में सीधे योगदान देती है, जिससे भारत वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बन जाता है। एनईपी 2020 पहुँच समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के पांच मार्गदर्शक स्तंभों पर आधारित है। यह हमारे युवाओं को वर्तमान और भविष्य की विविध राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा।

स्कूली शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उन मूल मूल्यों और सिद्धानों पर जोर देता है कि शिक्षा को न केवल संज्ञानात्मक कौशल विकसित करना चाहिए अर्थात साक्षरता और संख्यात्मकता के आधारभूत कौशल और 'उच्च क्रम' कौशल जैसे कि आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान– बल्कि सामाजिक और भावनात्मक कौशल जिन्हें 'सॉफ्ट स्किल्स' भी कहा जाता है। जिसमें सांस्कृतिक जागरूकता और सहानुभूती दृढ़ता और धैर्य, टीम वर्क, नेतृत्व, संचार आदि शामिल है। नीति का लक्ष्य और आकांक्षा पूर्व–प्राथमिक शिक्षा को सौर्वभिक बनाना है और 2025 तक सभी के लिए प्राथमिक विधालय और उससे आगे मूलभूत साक्षरता। संख्या ज्ञान की प्राप्ती पर विशेष जोर देता है। यह स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सुधारों की अधिकता की सिफारिश करती है, जिसका उद्देश्य स्कूलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना 3–18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को कवर करने वाले 5 + 3 + 3 + 4 डिजाइन के साथ शिक्षण सहित पाठ्यक्रम में परिवर्तन इसमें शिक्षा में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने, प्रौद्योगिकी के उपयोग को मजबूत करने और व्यावसायिक तथा वयस्क शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने की बात की कही गई हैं। इसमे यह सिफारिश की गई हैं कि प्रत्येक विषय पाठयक्रम का भार, समग्र, चर्चा और विश्लेषण–आधारित शिक्षा के लिए जगह बनाकर उसकी मुल आवश्यक समाग्री तक सीमित किया जाना चाहिए।

इसमें शिक्षा संरचना के सभी पहलुओ का पुनरीक्षण और पुनरुध्दार करने का प्रस्ताव है, जिसमें स्कूल विनियम और शासन शामिल है, ताकि एक नई प्रणाली बनाई जा सके जो भारत की परंपरा, संस्कृति और मूल्य प्रणाली के साथ 21वीं सदी की शिक्षा के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित हो। कई मौजूदा और प्रस्तावित पहलों के माध्यम से प्रौद्योगिकी की शिक्षा के साथ एकीकृत किया जाएगा जिसमें ऊर्जावान पाठ्य पुस्तके, शिक्षकों और शिक्षार्थियों की क्षमता निर्माण के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ई–सामाग्री, सीखने के परिणामों पर आधारित प्रश्न बैंक आदि शामिल है। नीति में यह भी कहॉ गया है कि देश भर में हर बस्ती में प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने से शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने में मदद मिली है। हालाँकि, इससे बहुत छोटे स्कूल (जिनमें छात्रो की संख्या कम है) विकसित हुए है, जिसने शिक्षकों और महत्वपूर्ण भौतिक संसाधनों को तैनात करला परिचालन रूप से जटिल हो जाता है। इस लिए, नीति अनुशंसा करती है कि कुशल शासन के लिए कई सार्वजनिक स्कूलों को एक साथ लाकर एक स्कूल परिसर या कोई अभिनव समूहीकरण तंत्र बनाया जा सकता है नीति ने स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा या जोर

दिया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ना केवल जीवन बदलने वाली है बल्कि एक मन शिल्प और चरित्र निर्माण का अनुभव भी है, जो नागरिकता पर सकारात्मक प्रभाव डालती है।

निष्कर्ष –

इस प्रकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन करने में यह स्पष्ट होता है की स्कूली शिक्षा के समी चरणों में गुणवर्त्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देती है। जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा न केवल जीवन बदलने वाली है बल्कि एक मनशिल्प और चरित्र निर्माण का अनुभव भी है जो नागरिकता पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। सशक्त शिक्षार्थी न केवल देश की बढ़ती विकासात्मक आवश्यकताओं में योगदान देते है बल्कि एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण में भी भाग लेते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. प्रकाश कुमार, 21 दीं सदी की मांग परी करेगी नई शिक्षा नीति, आउटलुक हिन्दी, 24 अगस्त 2020
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
3. राजस्थान पत्रिका नागौर, 28 जनवरी 2020, सम्पादकीय पृष्ट
4. तन्खा वरूण, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता राजस्थान पत्रिका नागौर 26 अगस्त 2020 सम्पादकीय पृष्ट
5. सिंह दुर्गेश, कॉनिकल मासिक पत्रिका, मई 2020, दृष्ट से 80–81
6. गंगवाल सुभाष, नई शिक्षा नीति 21 वी सदी की चुनौतियों का करेगी मुकाबला, दैनिक नवज्योति दृष्ट सं. 4. 22 अगस्त 2020
7. शर्मा, के. एल दैनिक भास्कर जयपुर संस्करण पृष्ठ 2, 24 अगस्त 2020.